

भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
07.08.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2597 का उत्तर

भारतीय रेलवे में कवच का कवरेज

2597. डॉ. कलानिधि वीरास्वामी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) भारतीय रेलवे में कवच से सुसज्जित कुल इंजनों का ब्यौरा क्या है तथा आज तक रेलवे के अधीन कुल कितना किलोमीटर ट्रैक कवच सुसज्जित है;
- (ख) 2021-22 से लेकर कार्य पूरा होने के अपेक्षित वर्ष तक भारतीय रेलवे के किलोमीटर में ट्रैक तथा इंजनों और स्वर्णिम चतुर्भुज की संख्या के संदर्भ में कवच के कार्यान्वयन का वार्षिक लक्ष्य क्या है तथा वर्ष 2021-22, 2022-23, 2023-24 तथा 2024 में आज तक कवरेज के संबंध में लक्ष्य क्या हैं तथा क्या उपलब्धि प्राप्त की गई है;
- (ग) क्या कवच बालासोर में कोरामंडल एक्सप्रेस तथा कंचनजंगा एक्सप्रेस की दुर्घटना को रोकने में सक्षम होता; और
- (घ) प्रति किलोमीटर तथा एक लोकोमोटिव हेतु कवच की संस्थापना की लागत कितनी है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

भारतीय रेल में कवच के कवरेज के संबंध में दिनांक 07.08.2024 को लोक सभा में डॉ. कलानिधि वीरास्वामी के अतारांकित प्रश्न सं. 2597 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (घ):

1. कवच एक स्वदेशी रूप से विकसित स्वतः रेलगाड़ी संरक्षा प्रणाली है। कवच एक अत्यधिक प्रौद्योगिकी प्रधान प्रणाली है, जिसके लिए उच्चतम स्तर के संरक्षा प्रमाणीकरण की आवश्यकता होती है।
2. यदि लोको पायलट ब्रेक लगाने में विफल रहता है तो कवच स्वतः ब्रेक लगाकर लोको पायलट को निर्दिष्ट गति सीमा के भीतर रेलगाड़ी चलाने में सहायता करता है और यह खराब मौसम के दौरान रेलगाड़ी को संरक्षित ढंग से चलाने में भी सहायता करता है।
3. कवच के कार्यान्वयन में कई गतिविधियों का निष्पादन शामिल हैं, जैसे:
 - क) प्रत्येक स्टेशन पर स्टेशन कवच की संस्थापना।
 - ख) पूरी रेलपथ लंबाई में आरएफआईडी टैग का संस्थापन।
 - ग) समग्र खंड में दूरसंचार टावरों का संस्थापन।
 - घ) रेलपथ के साथ-साथ ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाना।
 - ङ) भारतीय रेल पर चल रहे प्रत्येक रेल इंजन पर लोको कवच का प्रावधान।
4. अब तक, कवच को दक्षिण मध्य रेल के 1465 मार्ग किलोमीटर पर और 144 रेलइंजनों में लगाया जा चुका है।
5. वर्तमान में, दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा गलियारे (लगभग 3000 मार्ग किलोमीटर) पर कवच से संबंधित प्रमुख मदों की प्रगति निम्नानुसार है:
 - (i) ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाना : 4275 किलोमीटर
 - (ii) दूरसंचार टावरों का संस्थापन : 364 अदद

- (iii) स्टेशन उपस्कर का प्रावधान : 285 अदद
- (iv) रेलइंजनों में उपस्कर का प्रावधान : 319 रेलइंजन
- (v) पटरियों के साथ लगे उपस्करों का संस्थापन : 1384 मार्ग किलोमीटर
6. भारतीय रेल ने अन्य 6000 मार्ग किलोमीटर के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और विस्तृत अनुमान तैयार किया है।
7. दिनांक 16.07.2024 को आरडीएसओ द्वारा कवच 4.0 विशिष्टि को अनुमोदित किया गया है। इस संस्करण में विविध रेल नेटवर्क के लिए आवश्यक सभी प्रमुख विशेषताएं शामिल हैं। यह भारतीय रेल के लिए संरक्षा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अल्पावधि के भीतर, भारतीय रेल ने स्वचालित रेलगाड़ी सुरक्षा प्रणाली का विकास, उसका परीक्षण और उसकी स्थापना करना शुरू कर दिया है।
8. कवच को चरणबद्ध रूप से उत्तरोत्तर मुहैया कराया जाता है।
9. क्षमता बढ़ाने और कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए, अधिक ओईएम के परीक्षण और अनुमोदन विभिन्न चरणों में हैं।
10. कवच के स्टेशन सहित पटरी साइड उपस्कर का प्रावधान करने हेतु लागत लगभग 50 लाख रुपये प्रति किलोमीटर है और रेलइंजनों पर कवच उपस्कर का प्रावधान करने हेतु लागत लगभग 70 लाख रुपये प्रति रेलइंजन है। अब तक कवच संबंधी कार्यों पर उपयोग की गई राशि 1216.77 करोड़ रुपये है। वर्ष 2024-25 के दौरान 1112.57 करोड़ रुपये की राशि का आवंटन किया गया है।
11. बालासोर गाड़ी दुर्घटना कवच के प्रावधान से संबंधित नहीं है।
12. नई जलपाईगुड़ी-बरसोई-मालदा टाउन खंड पर कंचनजंघा एक्सप्रेस दुर्घटना घटी थी। कंचनजंघा एक्सप्रेस गाड़ी दुर्घटना के मामले में, रेल संरक्षा आयोग (सीआरएस) की जांच के आदेश दिए हैं और अंतिम रिपोर्ट अभी प्रतीक्षित है।
